भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 5272

24 मार्च, 2026 को उत्तरार्थ

विषय: भारत-विस्तार एआई प्लेटफॉर्म का शुभारंभ

5272. श्री रविन्द्र दत्ताराम वायकरः

श्री अतुल गर्गः

श्री नरेश गणपत म्हस्केः

श्रीमती भारती पारधीः

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदेः

श्री श्रीरंग आप्पा चंद्रू बारणेः

क्या **कृषि और किसान कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारत-विस्तार एआई प्लेटफॉर्म का शुभारंभ देश भर में कृषि स्तर पर निर्णय लेने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता को एकीकृत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है;

(ख) क्या यह प्लेटफॉर्म उत्पादकता बढ़ाने के लिए मौसम के पैटर्न, मृदा स्वास्थ्य तथा फसल नियोजन के संबंध में वास्तविक समय पर डेटा-आधारित परामर्श प्रदान करता है;

(ग) क्या भारत-विस्तार एआई प्लेटफॉर्म छोटे किसानों के लिए बहुभाषीय समर्थन तथा उपयोगकर्ता-अनुकूल इंटरफेस प्रदान करके समावेशी पहुँच सुनिश्चित करता है;

(घ) क्या यह उपकरण डिजिटल प्रोफाइलिंग तथा विश्लेषण के माध्यम से योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और दक्षता को सुदृढ़ करता है; और

(ङ) क्या भारत-विस्तार एआई प्लेटफॉर्म भारत को एआई-संचालित कृषि शासन तथा स्मार्ट कृषि अवसंरचना के क्षेत्र में अग्रणी देश के रूप में स्थापित करता है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) से (ङ): केंद्रीय बजट 2026-27 में भारत-विस्तार (वर्चुअली इन्टीग्रेटड सिस्टम टू एक्सेस एग्रीकल्चर रिसोर्सेज) नामक एक बहुभाषी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) संचालित टूल की घोषणा की गई है। भारत सरकार ने भारत-विस्तार के फेज-1 संस्करण को एक राष्ट्रीय, एआई-संचालित, वॉइस-फर्स्ट, बहुभाषी डिजिटल सार्वजनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के रूप में लॉन्च किया है। यह एक एकीकृत और संयुक्त डिजिटल सार्वजनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर है, जिसे किसानों को विश्वसनीय, रियल टाइम और स्थान-विशिष्ट व्यक्तिगत कृषि सलाह प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, साथ ही संबद्ध कृषि और सहायक सेवाओं की व्यापक श्रृंखला तक सहज पहुंच सुनिश्चित करता है।

यह प्लेटफ़ॉर्म भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और अन्य प्रधिकृत स्रोतों द्वारा विकसित विभिन्न सरकारी डिजिटल इकोसिस्टम और वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों से डेटा को एकीकृत करता है ताकि फसल प्रबंधन, मौसम, बाजार की कीमतें, कीट और रोग अलर्ट और मिट्टी के स्वास्थ्य संबंधी जानकारी/सुझाव को व्यक्तिगत रूप से चरणबद्ध तरीके से प्रदान किया जा सके।

17 फरवरी, 2026 को आरंभ किए गए फेज-I में यह सुविधा हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में कई चैनलों के माध्यम से उपलब्ध है जिसमें एक समर्पित टेलीफोन नंबर (155261), एक वॉइस-आधारित एआई चैटबोट, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय का वेब पोर्टल और एक डाउनलोड करने योग्य मोबाइल एप्लिकेशन शामिल है। फेज-I में 10 (दस) प्रमुख केंद्रीय योजनाओं को एकीकृत किया गया है, जिसमें पीएम-किसान, पीएमएफबीवाई, सॉइल हेल्थ कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, एग्रीकल्चर इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड, पीएम कृषि सिंचाई योजना, पीएम-आशा, संशोधित ब्याज अनुदान योजना, पर ड्रॉप मोर क्रॉप और कृषि मशीनीकरण उप-मिशन हैं। सरकार की योजना अगले फेज़ में और क्षेत्रीय भाषाएँ जोड़ने की है।

छोटे और सीमांत किसानों के लिए पहुँच सुनिश्चित करने के लिए, यह प्लेटफार्म गैर-स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं के लिए वॉइस-आधारित और इंटरैक्टिव वॉइस रिस्पांस सिस्टम (आईवीआरएस) तक पहुँच प्रदान करता है। इसे क्षेत्रीय भाषाओं, राज्य-विशिष्ट कृषि योजनाओं और सूचना एवं विस्तार नेटवर्क के विस्तार के साथ-साथ डिजिटल प्रणालियों को अपनाने को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता और क्षमता-निर्माण कार्यक्रमों के लिए डिज़ाइन किया गया है।

भारत विस्तार, उपयोग की गई जानकारी के स्रोत जैसे आईसीएआर, आईएमडी और दूसरे आधिकारिक स्रोतों को स्पष्ट रूप से इंगित कर ट्रेसेबिलिटी सुनिश्चित करते हुए पारदर्शिता और विश्वास को भी बढ़ावा देता है। प्रदान की जा रही जानकारी रियल टाइम में डायनेमिक रूप से अद्यतन होती रहती है जिससे किसानों को निर्णय लेने के लिए सबसे नवीन और विश्वसनीय जानकारी प्राप्त होती है जो समग्र दक्षता को और बेहतर बनाती है।

भारत-विस्तार का विकास डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 तथा देश में लागू अन्य आईटी कानूनों के अनुरूप किया गया है। भारत सरकार सुदृढ़ डेटा सुरक्षा भी सुनिश्चित करती है, जो इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम-इंडिया (सीईआरटी-इन) के साइबर सुरक्षा दिशा-निर्देशों के अनुरूप है। इसके अतिरिक्त, सरकार इन सभी आईटी प्रणालियों का समय-समय पर सुरक्षा ऑडिट करती है और उन जोखिमों की निगरानी करती है जो उपयोगकर्ताओं को इतने कम समय में इस इन्फ्रास्ट्रक्चर की उपलब्धता पहुँचने पर उत्पन्न हो सकते हैं। इस प्रकार, भारत-विस्तार कृषि क्षेत्र में एक परिवर्तनकारी डीपीआई के रूप में स्थापित हुआ है, जो बड़े पैमाने पर सेवाएँ प्रदान करता है।

*****